चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 09 जुलाई 2026, अंक –306.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

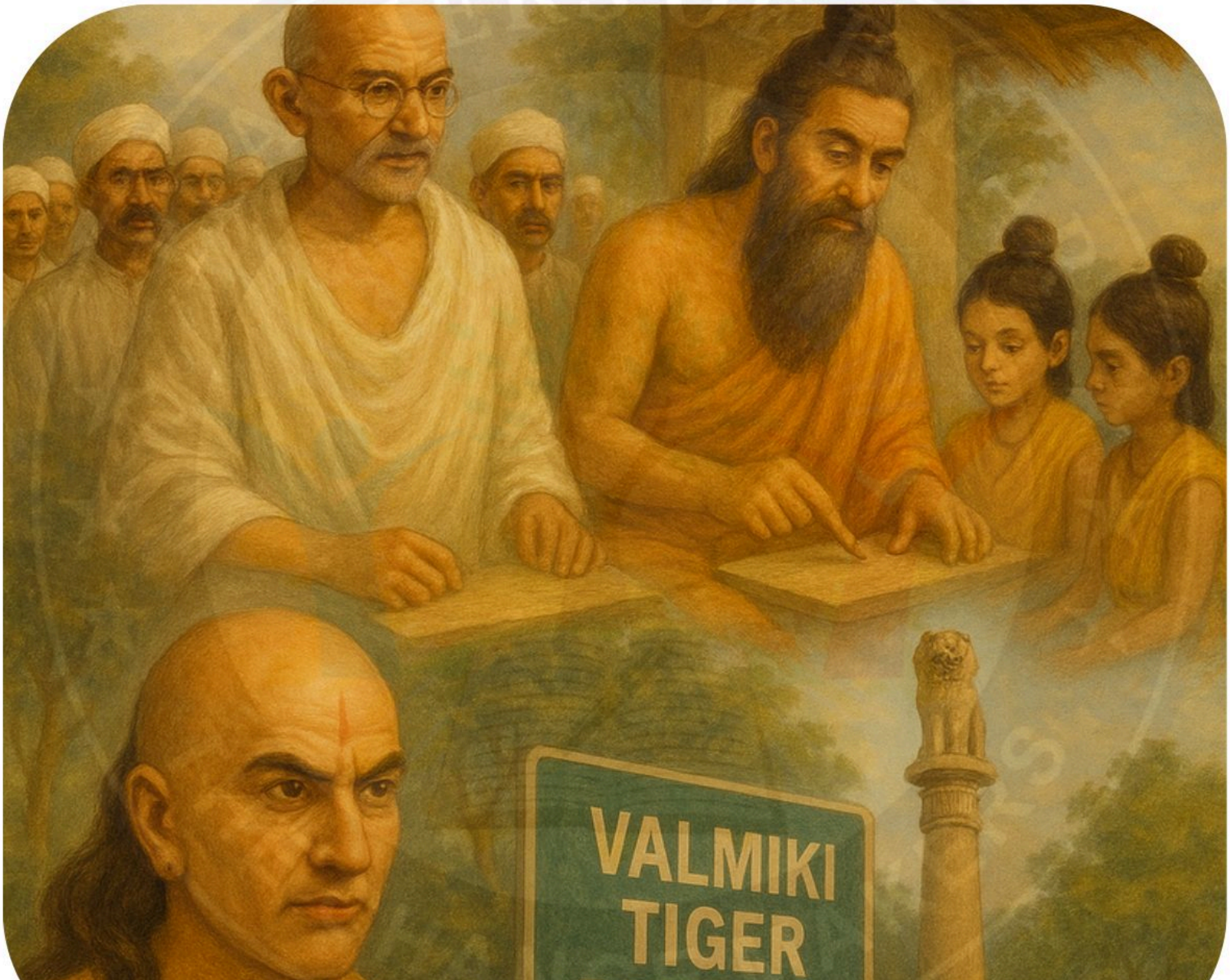

"जिसमें धैर्य है, वह जो चाहे पा सकता है।"
— बेंजामिन फ्रैंकलिन

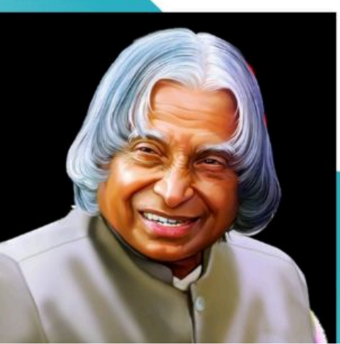

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन,..........

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. स्विट्ज़रलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: बर्न
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष कौन थीं?
उत्तर: मीरा कुमार
प्रश्न 3. 'लावणी' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: महाराष्ट्र
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या को 9 से विभाजित करने पर शेषफल 0 हो, तो वह 9 से कैसी होगी?
उत्तर: विभाज्य
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'थावे दुर्गा मंदिर' स्थित है?
उत्तर: गोपालगंज
प्रश्न 6. ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: हिमाचल प्रदेश
प्रश्न 7. थर्मामीटर (पारा थर्मामीटर) का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: डेनियल फ़ारेनहाइट
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies) दिया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 32
प्रश्न 9. 'जिसका कोई शत्रु न हो' — इसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: अजातशत्रु
प्रश्न 10. मानव शरीर में रक्त का लाल रंग किस पदार्थ के कारण होता है?
उत्तर: हीमोग्लोबिन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Egg – (एग) – अंडा
Honey – (हनी) – शहद
Jam – (जैम) – जैम
Biscuit – (बिस्किट) – बिस्कुट
Tea – (टी) – चाय
Coffee – (कॉफी) – कॉफी
Juice – (जूस) – रस / जूस

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "मैं ... नहीं सकता/सकती हूँ" (I cannot / I can't ...)

मैं तैर नहीं सकता/सकती हूँ। – I cannot swim.
मैं गाड़ी नहीं चला सकता/सकती हूँ। – I cannot drive.
मैं झूठ नहीं बोल सकता/सकती हूँ। – I cannot tell a lie.
मैं इतना ऊँचा नहीं कूद सकता/सकती हूँ। – I cannot jump so high.
मैं यह प्रश्न हल नहीं कर सकता/सकती हूँ। – I cannot solve this question.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. भारत में प्रत्येक वर्ष 9 जुलाई को "राष्ट्रीय छात्र दिवस" (National Students Day) मनाया जाता है — यह किस महान वैज्ञानिक की जन्मतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है जिन्हें "मिसाइल मैन ऑफ इंडिया" कहा जाता है?
उत्तर: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
व्याख्या: 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस और 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है, वैसे ही जुलाई माह में डॉ. कलाम से जुड़ा विशेष स्मरण दिवस है। (CivilSaarthi) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (Avul Pakir Jainulabdeen Abdul Kalam) का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था और निधन 27 जुलाई 2015 को IIM शिलांग में व्याख्यान देते हुए हुआ। वे DRDO और ISRO में अग्नि, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और नाग मिसाइलों के विकास में मार्गदर्शक रहे। SLV-3 (1980) की सफलता में उनकी प्रमुख भूमिका थी। वे भारत के 11वें राष्ट्रपति (2002-2007) रहे। उन्हें 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। "विंग्स ऑफ फायर" उनकी प्रसिद्ध आत्मकथा है। उन्हीं के नाम पर स्काईरूट के ठोस रॉकेट इंजनों का नाम "कलाम इंजन" रखा गया है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10 — Dr. APJ Abdul Kalam reference; Bharat Ratna Award Records 1997

प्र.2. 7 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत-इंडोनेशिया के बीच कुल कितने समझौते हुए और किस प्रमुख रक्षा प्रणाली पर सहयोग का समझौता किया गया?
उत्तर: 20 समझौते; ब्रह्मोस मिसाइल
व्याख्या: प्रधानमंत्री मोदी की इंडोनेशिया यात्रा में कुल 20 प्रमुख परिणाम सामने आए जिनमें 14 MoU और छह प्रमुख घोषणाएँ थीं जो रक्षा, अंतरिक्ष, आपदा प्रबंधन, कृषि, डिजिटल प्रौद्योगिकी, चुनाव, संस्कृति और लोक-संपर्क को समाहित करती थीं। (ANI News) दोनों पक्षों ने BrahMos मिसाइल प्रणाली पर सहयोग तथा एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौते के माध्यम से रक्षा सहयोग को नई ऊँचाई दी। दोनों नेताओं ने 2026-27 को "टैगोर-देवंतारा भारत-इंडोनेशिया सांस्कृतिक और शैक्षिक कूटनीति वर्ष" घोषित किया जो रवींद्रनाथ टैगोर की 1927 की इंडोनेशिया यात्रा के शताब्दी वर्ष को चिह्नित करता है। इंडोनेशिया भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और यह यात्रा MAHASAGAR (भारत के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण) के तहत महत्वपूर्ण थी।
संदर्भ: The Tribune India, 8 July 2026 — India-Indonesia Comprehensive Strategic Partnership; MEA India Official Statement, July 2026

प्र.3. "गोदान" (1936) हिंदी साहित्य का एक महाकाव्यात्मक उपन्यास है जो भारतीय कृषक जीवन की पीड़ा और शोषण का मार्मिक चित्रण करता है — इसके रचयिता कौन हैं?
उत्तर: मुंशी प्रेमचंद
व्याख्या: "गोदान" (1936) मुंशी प्रेमचंद की अंतिम और सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपन्यास रचना है जिसे हिंदी साहित्य का कालजयी महाकाव्य माना जाता है। इसके केंद्रीय पात्र "होरी" के माध्यम से भारतीय किसान के ऋण-जाल, शोषण, सामंती व्यवस्था और मृत्यु तक के संघर्ष को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। "गाय का दान" (गोदान) करने की अंतिम अधूरी इच्छा हिंदू लोक-संस्कृति में मोक्ष का प्रतीक है। इसी रचना में महानगरीय जीवन की विद्रूपता को भी समानांतर रूप में दर्शाया गया है। प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी के लमही गाँव में हुआ था — जुलाई माह में उनकी जन्मतिथि UPSC परीक्षाओं में प्रासंगिक है।
संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — "गोदान", प्रकाशन 1936; NCERT Hindi Class 12 — Premchand Reference;

प्र.4. असम के सोनितपुर जिले में स्थित "बोरजुली आर्द्रभूमि" को हाल ही में किस विशेष दर्जे से नवाजा गया और यहाँ किस दुर्लभ जंगली धान की प्रजाति का प्राकृतिक आश्रय है?
उत्तर: जैव विविधता विरासत स्थल (BHS); ओरिजा रुफिपोगोन
व्याख्या: असम के सोनितपुर जिले में स्थित बोरजुली आर्द्रभूमि को आधिकारिक रूप से "जैव विविधता विरासत स्थल" (Biodiversity Heritage Site) के रूप में अधिसूचित किया गया है, जो ओरिजा रुफिपोगोन (Oryza rufipogon) की अनूठी जनसंख्या की सुरक्षा के लिए किया गया। (InsightsIAS) बोरजुली आर्द्रभूमि एक जैविक रूप से अनूठी मीठे पानी की दलदली पारिस्थितिकी प्रणाली है जो भारत के फसल जंगली सम्बन्धियों (Crop Wild Relatives), विशेष रूप से जंगली चावल की आदिम किस्मों को संरक्षित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवासों में से एक है। (InsightsIAS) जैव विविधता विरासत स्थल की अवधारणा "जैविक विविधता अधिनियम, 2002" की धारा 37 के तहत है। "ओरिजा रुफिपोगोन" रोग एवं कीट प्रतिरोधी जंगली धान की एक दुर्लभ प्रजाति है जो आधुनिक धान की किस्मों के लिए आनुवंशिक आधार प्रदान करती है।
संदर्भ: insightsonindia.com UPSC Current Affairs 3 July 2026

प्र.5. "अखिल भारतीय मुस्लिम लीग" की स्थापना 1906 में किस स्थान पर हुई थी और इसके संस्थापक अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर: ढाका; आगा खान III (सुल्तान मुहम्मद शाह)
व्याख्या: अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना 30 दिसंबर 1906 को ढाका में हुई थी। इसके संस्थापक अध्यक्ष आगा खान III (सुल्तान मुहम्मद शाह) बने। नवाब खाजा सलीमुल्लाह ने ढाका में इसकी संस्थापना बैठक बुलाई थी। प्रारंभ में यह ब्रिटिश सरकार की वफादार संस्था थी। 1913 में मुहम्मद अली जिन्ना मुस्लिम लीग में शामिल हुए और 1916 में लखनऊ पैक्ट के द्वारा उन्होंने मुस्लिम लीग और कांग्रेस के बीच एकजुटता स्थापित करने का प्रयास किया। 1940 के लाहौर प्रस्ताव में मुस्लिम लीग ने अलग राष्ट्र की माँग रखी जो अंततः 1947 में पाकिस्तान के रूप में साकार हुई।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 28–31;

प्र.6. भारत में "मालनाड" (Malanadu) क्षेत्र किस राज्य के पश्चिमी घाट के मध्य पर्वतीय क्षेत्र को कहा जाता है जो कॉफी, चाय और इलायची की खेती के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: कर्नाटक
व्याख्या: "मालनाड" (अर्थ: पहाड़ी देश) कर्नाटक के पश्चिमी घाट के मध्यवर्ती पर्वतीय क्षेत्र को कहते हैं जिसमें चिकमगलूर, कोडगु (कूर्ग), हासन और शिमोगा जिले सम्मिलित हैं। यह क्षेत्र भारत की 70% से अधिक कॉफी उत्पादन का केंद्र है। यहाँ अरेबिका और रोबस्टा दोनों प्रकार की कॉफी उगाई जाती है। कोडगु (कूर्ग) को "भारत का कॉफी जिला" कहा जाता है। पश्चिमी घाट की समृद्ध वर्षा और घनी छाँव इस कृषि के लिए आदर्श है। चाय और इलायची भी यहाँ प्रचुर मात्रा में उगाई जाती है। इस क्षेत्र की जैव विविधता असाधारण है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 4 Agriculture — Plantation Crops, p. 42–45

प्र.7. भारतीय संसद में "धन विधेयक" (Money Bill) को किस अनुच्छेद के अंतर्गत परिभाषित किया गया है और क्या राज्यसभा धन विधेयक को अस्वीकार कर सकती है?
उत्तर: अनुच्छेद 110; नहीं
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 110 धन विधेयक (Money Bill) को परिभाषित करता है। धन विधेयक केवल लोकसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है और इसे केवल लोकसभा अध्यक्ष ही प्रमाणित करते हैं। राज्यसभा धन विधेयक को अस्वीकार नहीं कर सकती — वह अधिकतम 14 दिन तक इसे रोक सकती है अथवा सिफारिशें दे सकती है, जिन्हें मानना या न मानना लोकसभा की इच्छा पर निर्भर है। कर लगाना, कर हटाना, सरकारी उधार, भारत की संचित निधि से व्यय — ये सभी धन विधेयक की परिभाषा में आते हैं। वार्षिक बजट धन विधेयक का ही एक रूप है। UPSC में यह विषय अत्यंत प्रचलित है।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11 — Indian Constitution at Work, Ch 5 Legislature,

प्र.8. "BrahMos" (ब्रह्मोस) सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का नाम किन दो नदियों के नाम पर रखा गया है और यह किन दो देशों के बीच संयुक्त उद्यम है?
उत्तर: ब्रह्मपुत्र और मोस्कवा; भारत और रूस
व्याख्या: ब्रह्मोस (BrahMos) मिसाइल का नाम भारत की "ब्रह्मपुत्र" नदी और रूस की "मोस्कवा (Moskva)" नदी के नाम के संयोजन से रखा गया है। यह भारत की DRDO और रूस की NPO Mashinostroyeniya के बीच संयुक्त उद्यम "BrahMos Aerospace" द्वारा विकसित है। BrahMos विश्व की सबसे तेज़ सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसकी गति मैक 2.8 से 3 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) है। इसकी मारक क्षमता 290 किमी से 500 किमी तक की है और यह भूमि, समुद्र और वायु तीनों माध्यमों से प्रक्षेपित की जा सकती है। भारत-इंडोनेशिया रक्षा सहयोग में BrahMos मिसाइल प्रणाली पर सहयोग शामिल था। (The Researchers)
संदर्भ: DRDO Official Records; BrahMos Aerospace — brahmos.com

प्र.9. उड़ीसा (ओडिशा) का "दोकरा" (Dhokra) शिल्प किस धातु से बनाई जाने वाली एक प्राचीन लोक-कला है और यह किस प्राचीन प्रक्रिया का उपयोग करती है?
उत्तर: काँसा (Bronze); खोई मोम प्रक्रिया (Lost Wax / Cire-perdue)
व्याख्या: "दोकरा" (Dhokra) ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और छत्तीसगढ़ के आदिवासी कारीगरों द्वारा बनाई जाने वाली एक प्राचीन धातु-शिल्प परंपरा है जो काँसे (Bronze) या पीतल से निर्मित होती है। इसमें "खोई मोम प्रक्रिया" (Lost Wax/Cire-perdue) का उपयोग होता है — पहले मोम से मूल आकृति बनाते हैं, फिर मिट्टी की परत चढ़ाते हैं, फिर गर्म करने पर मोम बह जाता है और उसके स्थान पर पिघला धातु डाला जाता है। इस तकनीक का प्राचीनतम प्रमाण सिंधु घाटी सभ्यता से मिलता है। भारत में यह शिल्प "GI Tag" (भौगोलिक संकेतक) प्राप्त है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 1 Indus Valley Civilization Art

प्र.10. बिहार के किस जिले में स्थित "बोध गया" महाबोधि मंदिर परिसर को UNESCO ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया और इस मंदिर का वर्तमान निर्माण किस शासनकाल में हुआ माना जाता है?
उत्तर: गया जिला; गुप्त काल
व्याख्या: महाबोधि मंदिर परिसर बिहार के गया जिले में बोधगया नगर में स्थित है। बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर को UNESCO ने 2002 में विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था। (InsightsIAS) इस मंदिर का मूल निर्माण सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईपू में करवाया था। वर्तमान मंदिर संरचना गुप्त काल (4th-6th शताब्दी) में पुनर्निर्मित की गई मानी जाती है। मंदिर के प्रांगण में वह "बोधिवृक्ष" (पीपल का पेड़) स्थित है जिसके नीचे गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। मूल बोधिवृक्ष की एक शाखा श्रीलंका के अनुराधापुरा में रोपी गई थी। यह बौद्ध, हिंदू और जैन धर्म सभी के लिए पवित्र स्थल है।
संदर्भ: UNESCO World Heritage List — Mahabodhi Temple, 2002; NCERT History Class 6, Ch 7 New Questions and Ideas, p. 83–90;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ उतरने के बाद विद्यालय भवन में पुनः प्रवेश से पहले शिक्षकों और बच्चों को क्या-क्या जाँच करनी चाहिए?

उत्तर: संरचनात्मक सुरक्षा, विद्युत, जल गुणवत्ता जाँच

व्याख्या: BSDMA के बाढ़ पश्चात् सुरक्षा मॉड्यूल (जुलाई W4) के अनुसार, बाढ़ उतरने के बाद विद्यालय में पुनः प्रवेश से पहले निम्न जाँचें अनिवार्य हैं: (1) संरचनात्मक सुरक्षा – दीवारों में दरारें, छत का झुकाव, नींव की क्षति देखें, (2) विद्युत सुरक्षा – बिजली के बोर्ड, तार और उपकरण की जाँच करें, किसी योग्य विद्युतकर्मी से स्वीकृति लें, बिना जाँच के विद्युत उपकरण चालू न करें, (3) जल गुणवत्ता – पीने के पानी के स्रोत की जाँच कराएँ, (4) साँप, कीड़े-मकोड़े जो बाढ़ के साथ आ सकते हैं, उनकी उपस्थिति जाँचें, (5) बच्चों को बाढ़ के बाद मानसिक आघात से उबरने में सहायता करें। जल्दबाज़ी में विद्यालय शुरू करना जोखिम बढ़ा सकता है।

संदर्भ: BSDMA Flood Post-Disaster Recovery Module, July W4; bsdma.org

प्र.12. एक परीक्षा में 5 प्रश्न थे। प्रत्येक प्रश्न के 4 विकल्प (A, B, C, D) थे। यदि एक छात्र सभी उत्तर यादृच्छिक (randomly) चुने, तो सभी 5 प्रश्न सही होने की प्रायिकता क्या है?

उत्तर: 1/1024

व्याख्या: प्रत्येक प्रश्न के लिए सही उत्तर चुनने की प्रायिकता = 1/4। सभी 5 प्रश्न सही होने की प्रायिकता = $(1/4)^5$ = 1/4 × 1/4 × 1/4 × 1/4 × 1/4 = 1/1024। क्योंकि सभी घटनाएँ स्वतंत्र (independent) हैं – एक प्रश्न का उत्तर दूसरे को प्रभावित नहीं करता। अतः संयुक्त प्रायिकता = सभी प्रायिकताओं का गुणनफल। यह गणना "स्वतंत्र घटनाओं की प्रायिकता" के गुणन नियम पर आधारित है। इसका मतलब है यादृच्छिक उत्तर देने पर केवल 1024 प्रयासों में से एक बार ही सभी 5 प्रश्न सही होने की संभावना है – यही कारण है कि अध्ययन और तैयारी ही सफलता की कुंजी है!

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 10, Ch 15 Probability, p. 302–308;

GK संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

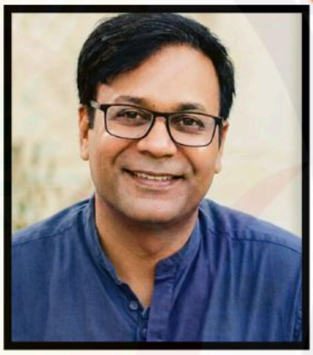

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fallacious (फलेशस) = Misleading (मिसलीडिंग) = भ्रामक / मिथ्या
 Antonym – Valid (वैलिड) = वैध / सही

Gallant (गैलन्ट) = Valiant (वैलिएन्ट) = वीर / साहसी
 Antonym – Cowardly (कावर्डली) = कायरतापूर्ण

Hypocrisy (हिपॉक्रिसी) = Pretence (प्रिटेन्स) = पाखंड / ढोंग
 Antonym – Sincerity (सिन्सेरिटी) = ईमानदारी / निष्कपटता

Imminent (इमिनेन्ट) = Impending (इम्पेन्डिंग) = आसन्न / निकट
 Antonym – Distant (डिस्टेन्ट) = दूरस्थ

Judicious (जुडिशस) = Prudent (प्रूडेन्ट) = विवेकपूर्ण / बुद्धिमत्तापूर्ण
 Antonym – Imprudent (इम्प्रूडेन्ट) = अविवेकपूर्ण

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Finance Releases 'India Economic Update 2026', Projecting a Robust 7.1% GDP Growth Driven by Manufacturing and Digital Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: वित्त मंत्रालय ने 'इंडिया इकोनॉमिक अपडेट 2026' जारी किया, जिसमें विनिर्माण और डिजिटल बुनियादी ढांचे के दम पर मजबूत 7.1% जीडीपी (GDP) विकास दर का अनुमान लगाया गया है।
केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आर्थिक समीक्षा के अनुसार, भारत चालू वित्तीय वर्ष में 7.1% की विकास दर हासिल करने की राह पर है। रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं में — (1) विनिर्माण क्षेत्र में रिकॉर्ड 8.5% की वृद्धि, (2) डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI) के माध्यम से वित्तीय समावेशन में तेजी, और (3) निजी निवेश में उल्लेखनीय सुधार शामिल हैं। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Hot Test of its Indigenously Developed Liquid Rocket Engine for the Upcoming Gaganyaan Human Spaceflight Mission.
हिन्दी अनुवाद: इसरो (ISRO) ने आगामी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए अपने स्वदेशी रूप से विकसित तरल रॉकेट इंजन का सफल हॉट टेस्ट (परीक्षण) पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में गगनयान मिशन के सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम के लिए तरल रॉकेट इंजन का सफलतापूर्वक हॉट परीक्षण किया। निर्धारित 150 सेकंड की अवधि तक चले इस परीक्षण ने इंजन के सभी प्रदर्शन मानदंडों को सही पाया। यह सफलता भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन की सुरक्षा और विश्वसनीयता को मजबूत करती है, जिसे वर्ष के अंत तक लॉन्च किया जाना प्रस्तावित है।

English Headline: Central Government Launches 'Samarth Portal' to Streamline Skill Development and Employment Exchanges for Rural Youth Across India.
हिन्दी अनुवाद: केंद्र सरकार ने पूरे भारत में ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार केंद्रों को सुव्यवस्थित करने के लिए 'समर्थ पोर्टल' लॉन्च किया।
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय ने संयुक्त रूप से राष्ट्रव्यापी 'समर्थ पोर्टल' की शुरुआत की है। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, व्यावसायिक मार्गदर्शन और सीधे नियोक्ताओं से जोड़ना है। पोर्टल के माध्यम से देश भर के जिला रोजगार केंद्रों (Employment Exchanges) को आधुनिक और एकीकृत किया जाएगा, जिससे रोजगार के अवसरों में पारदर्शिता आएगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: World Economic Forum (WEF) Publishes Global Gender Gap Report 2026; India Advances Eight Places Citing Better Educational Attainment.
हिन्दी अनुवाद: विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2026 प्रकाशित की; शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के कारण भारत आठ स्थान आगे बढ़ा है।
विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा जारी वार्षिक 'ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2026' में भारत ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए आठ स्थानों की छलांग लगाई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की इस प्रगति का मुख्य कारण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में लैंगिक समानता (Educational Attainment) तथा कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। हालांकि, राजनीतिक सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में अभी भी सुधार की आवश्यकता रेखांकित की गई है।

English Headline: United Nations Environment Programme (UNEP) Convenes Emergency Summit in Nairobi to Address Accelerating Microplastic Pollution in Global Oceans.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने वैश्विक महासागरों में तेजी से बढ़ते माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए नैरोबी में एक आपातकालीन शिखर सम्मेलन आयोजित किया।
नैरोबी में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के मुख्यालय में एक उच्च-स्तरीय आपातकालीन वैश्विक बैठक आयोजित की गई। इस सम्मेलन में दुनिया भर के पर्यावरण मंत्रियों और वैज्ञानिकों ने समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में बढ़ रहे माइक्रोप्लास्टिक के खतरों पर चर्चा की। सम्मेलन में 'ग्लोबल प्लास्टिक ट्रीटी 2026' के कार्यान्वयन को तेज करने और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर वैश्विक प्रतिबंधों को कड़ाई से लागू करने पर सहमति बनी।

English Headline: G20 Digital Economy Working Group Finalizes Global Framework for Interoperable Cross-Border Digital Payments and Financial Inclusion.
हिन्दी अनुवाद: G20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्य समूह ने इंटरऑपरेबल (आपस में काम करने योग्य) सीमा पार डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन के लिए एक वैश्विक ढांचे को अंतिम रूप दिया।
G20 डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक में वैश्विक वित्तीय लेनदेन को आसान बनाने के लिए एक ऐतिहासिक नीतिगत ढांचे पर सहमति बनी। इस नए ढांचे के तहत विभिन्न देशों के डिजिटल भुगतान प्रणालियों (जैसे भारत का UPI) को आपस में जोड़ा जाएगा, जिससे अंतर्राष्ट्रीय धन प्रेषण (Remittance) की लागत और समय में भारी कमी आएगी।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves Comprehensive 'Solar Rooftop Subsidy Scheme' to Boo Energy Adoption in Urban and Rural Households.

हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने शहरी और ग्रामीण घरों में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक 'सोलर रूफटॉप सब्सिडी योजना' को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बिहार कैबिनेट की बैठक में राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया। इस योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को अपने घरों की छतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 40% तक की सब्सिडी दी जाएगी। इसका उद्देश्य बिजली बिलों को कम करना और ग्रिड पर निर्भरता घटाकर पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

English Headline: Bihar State Infrastructure Development Corporation Initiates Phase-1 Expansion of the Patna Metro Connectivity to New Transit Hubs.

हिन्दी अनुवाद: बिहार राज्य बुनियादी ढांचा विकास निगम ने नए पारगमन केंद्रों (ट्रांजिट हब) तक पटना मेट्रो कनेक्टिविटी के चरण-1 विस्तार की शुरुआत की।

पटना मेट्रो परियोजना के तहत शहर के नए और उभरते हुए परिवहन केंद्रों को जोड़ने के लिए फेज-1 के विस्तार कार्य को हरी झंडी दे दी गई है। इसके अंतर्गत पटना बाईपास और नए अंतरराज्यीय बस स्टैंड (ISBT) के क्षेत्रों में निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी। इस विस्तार से पटना और उसके आस-पास के उपनगरीय क्षेत्रों में दैनिक यात्रियों के लिए यातायात सुलभ और प्रदूषण मुक्त होगा।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Clinches Three Gold Medals at the Asia Cup Archery Stage 2 Tournament in Bangkok.

हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने बैंकॉक में आयोजित एशिया कप तीरंदाजी चरण-2 टूर्नामेंट में तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

बैंकॉक में आयोजित एशिया कप तीरंदाजी चरण-2 में भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारत की ओर से कंपाउंड और रिकर्व दोनों श्रेणियों के व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में शानदार खेल का प्रदर्शन किया गया, जिससे भारत पदक तालिका में शीर्ष स्थानों पर काबिज रहा।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Officially Grants Permanent Test Playing Status to Emerging Cricket Nations After Annual Review.

हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने अपनी वार्षिक समीक्षा के बाद उभरते हुए क्रिकेट देशों को आधिकारिक तौर पर स्थायी टेस्ट खेलने का दर्जा प्रदान किया है।

आईसीसी (ICC) ने अपनी वार्षिक आम बैठक और बुनियादी ढांचे की समीक्षा के बाद एसोसिएट सदस्यों के प्रदर्शन की सराहना की। क्रिकेट के वैश्विक विस्तार को देखते हुए, शीर्ष प्रदर्शन करने वाले उभरते देशों को टेस्ट प्रारूप में स्थायी सदस्यता देने की घोषणा की गई है, जिससे वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का दायरा और व्यापक होगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"ज्ञान का संचय ही आपकी वास्तविक क्षमता का निर्माण करता है। प्रतिदिन कुछ नया पढ़ें, निरंतर आगे बढ़ें।"

प्रेरक प्रसंग

"दो लकड़हारे"

एक गाँव में दो लकड़हारे रहते थे। दोनों प्रतिदिन जंगल जाकर लकड़ियाँ काटते और बेचकर अपना परिवार चलाते थे।

एक दिन गाँव के मुखिया ने घोषणा की कि जो लकड़हारा एक दिन में सबसे अधिक लकड़ियाँ काटेगा, उसे विशेष पुरस्कार मिलेगा।

सुबह दोनों साथ निकले। पहला लकड़हारा बिना रुके लगातार कुल्हाड़ी चलाता रहा। उसे विश्वास था कि जितना अधिक समय काम करेगा, उतनी ही अधिक लकड़ियाँ काट पाएगा।

दूसरा लकड़हारा बीच-बीच में कुछ मिनट के लिए बैठ जाता। पहला उसे देखकर मन ही मन हँसता, "यह तो आराम करने में समय गँवा रहा है।"

शाम हुई। दोनों अपनी-अपनी लकड़ियाँ लेकर गाँव लौटे।

गिनती हुई तो सब हैरान रह गए। जो लकड़हारा बीच-बीच में रुकता था, उसने कहीं अधिक लकड़ियाँ काटी थीं।

पहले लकड़हारे ने आश्चर्य से पूछा, "मैं तो लगातार काम करता रहा, फिर भी तुम मुझसे आगे कैसे निकल गए?"

दूसरा मुस्कुराया और बोला, "जब भी मैं कुछ देर बैठता था, आराम करने के साथ-साथ अपनी कुल्हाड़ी की धार भी तेज़ कर लेता था। इसलिए हर वार पहले से अधिक प्रभावी होता गया।"

गाँव के मुखिया ने कहा, "यह केवल लकड़ी काटने की कहानी नहीं, बल्कि जीवन की सीख है।"

उस दिन सभी समझ गए कि केवल मेहनत ही नहीं, सही तैयारी और निरंतर स्वयं को बेहतर बनाना भी सफलता के लिए आवश्यक है।

🌟 प्रेरणा

यदि कुल्हाड़ी की धार कुंद हो जाए, तो केवल ताकत बढ़ाने से लाभ नहीं होता। उसी प्रकार यदि हम अपने ज्ञान, कौशल और सोच को समय-समय पर निखारते नहीं हैं, तो मेहनत का पूरा फल नहीं मिल पाता।

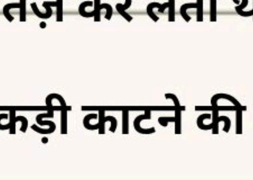

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

बैठने की व्यवस्था में लचीलापन — जैसी गतिविधि, वैसी बैठने की व्यवस्था

शिक्षक साथियों, जब हम किसी पारंपरिक कक्षा की कल्पना करते हैं, तो हमारे सामने एक तय ढांचा आता है— सीधी पंक्तियों (Rows) में लगी हुई बेंचे या टाट-पट्टियाँ, जहाँ बच्चे एक-दूसरे की पीठ देखते हुए ब्लैकबोर्ड की तरफ मुँह करके बैठे होते हैं। इस व्यवस्था में शिक्षक 'केंद्र' में होता है और बच्चे केवल आगे की ओर देखने को मजबूर होते हैं। बाल मनोविज्ञान और NCF 2023 के नवीनतम मानक कहते हैं कि यह जड़ व्यवस्था बच्चों के बीच आपसी संवाद और समूह में सीखने की क्षमता को रोकती है। यदि हमारी शिक्षण विधियाँ बदल रही हैं, तो हमारी कक्षा का भौतिक ढांचा और बैठने का तरीका भी बदलना चाहिए।

बैठक व्यवस्था में लचीलापन (Flexible Seating Arrangement) का अर्थ है कि कक्षा में बच्चों के बैठने का स्थान तय और स्थायी न हो, बल्कि वह उस दिन होने वाली 'शैक्षणिक गतिविधि' के आधार पर बदलता रहे। जब बच्चों को अलग-अलग व्यवस्थाओं में बैठने का मौका मिलता है, तो कक्षा की नीरसता समाप्त होती है, अंतिम पंक्ति में बैठने वाले बच्चे की झिझक टूटती है और हर बच्चे को शिक्षक के करीब आने का समान अवसर मिलता है।

उदाहरण:

आइए इसे अपनी प्राथमिक कक्षा की विभिन्न गतिविधियों के अनुसार समझते हैं कि कैसे हम बैठने के तरीके को बदल सकते हैं:

- 1. गोलाकार व्यवस्था (U-Shape or Circle) - कहानी और चर्चा के लिए: जब आप कक्षा में कोई कहानी सुना रहे हों या किसी सामाजिक मुद्दे पर बच्चों के विचार जान रहे हों, तो बच्चों को एक बड़े गोल घेरे में या 'U' आकार में बिठाएं। इस व्यवस्था में हर बच्चा एक-दूसरे का चेहरा देख सकता है और शिक्षक भी हर बच्चे से सीधे आँखें मिलाकर (Eye Contact) बात कर सकता है। इससे बच्चों का ध्यान भटकना बंद हो जाता है।
- 2. क्लस्टर व्यवस्था (Cluster/समूह) - प्रोजेक्ट और टीम वर्क के लिए: जब आप बच्चों को 'सहकारी अधिगम' (Cooperative Learning) या कोई छोटा प्रोजेक्ट दे रहे हों, तो 4 या 5 बच्चों की टाट-पट्टियों को आपस में जोड़कर चौकोर समूह बना दें। इससे बच्चे आसानी से सामग्री साझा कर पाते हैं और बिना शोर किए आपस में चर्चा कर सकते हैं।
- 3. पारंपरिक पंक्ति व्यवस्था - व्यक्तिगत कार्य या परीक्षा के लिए: जब बच्चे खुद स्वतंत्र रूप से कोई गणित का सवाल हल कर रहे हों या सुलेख लिख रहे हों, तब सीधी पंक्तियों वाली व्यवस्था सबसे बेहतर है ताकि वे बिना ध्यान भटके अपना काम कर सकें।

शिक्षक साथियों, लचीली बैठक व्यवस्था को लागू करते समय हमें एक और महत्वपूर्ण बात का ध्यान रखना होगा — स्थानों का रोटेशन (Rotation)। अक्सर हमारी कक्षाओं में एक अलिखित नियम बन जाता है कि जो बच्चा पढ़ने में तेज़ है या जो पहले आया, वह सबसे आगे बैठेगा और जो धीमा है या देर से आया, वह सबसे पीछे जाएगा। हमें इस रूढ़ि को तोड़ना होगा। हर हफ्ते बच्चों के बैठने का स्थान बदलिए। आगे बैठने वाले को पीछे और पीछे वाले को आगे आने का मौका दीजिए। जब एक धीमा सीखने वाला बच्चा किसी तेज़ बच्चे के बगल में बैठता है, तो सहपाठी शिक्षण (Peer Teaching) का वातावरण स्वतः निर्मित हो जाता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमारी कक्षा की दीवारें और कतारें इतनी कठोर नहीं होनी चाहिए कि वे बच्चों की रचनात्मकता को बांध दें। फर्नीचर या टाट-पट्टियों को हिलाना-डुलाना अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि एक जीवंत कक्षा की निशानी है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा के बच्चे रोज़ एक ही जगह बैठकर ऊब तो नहीं रहे हैं? कल की गतिविधि के लिए आप उनकी बैठक व्यवस्था में क्या बदलाव करने वाले हैं?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

"सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : बेगूसराय, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

बेगूसराय: पाल साम्राज्य का पुरातात्विक वैभव, दिनकर का काव्य-नाद और वैचारिक क्रांति

बेगूसराय का इतिहास सुदूर अतीत में पाल साम्राज्य और प्राचीन अंग व मिथिला के सांस्कृतिक मिलन-बिंदु से जुड़ा हुआ है। पुरातात्विक दृष्टि से इस जिले का जयमंगलागढ़ (कावर झील के बीच स्थित एक ऐतिहासिक टीला) एक अत्यंत महत्वपूर्ण साक्ष्य है, जहाँ गुप्तकाल और पालकाल की दुर्लभ मूर्तियाँ, सिक्के और काले पत्थर के खंडित पुरातात्विक अवशेष प्राप्त हुए हैं। यह स्थल प्राचीन काल में तंत्र साधना और शक्ति उपासना का एक बड़ा केंद्र होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण व्यापारिक चौकी भी था। इसके अतिरिक्त, गढ़पुरा और नावकोठी के क्षेत्रों में मिलने वाले बौद्ध और मध्यकालीन साक्ष्य यह प्रमाणित करते हैं कि बेगूसराय की भूमि हमेशा से वैचारिक बहसों, दार्शनिक चिंतन और राजनैतिक जागरूकता की एक उर्वर प्रयोगशाला रही है।

साहित्यिक फलक पर बेगूसराय का नाम संपूर्ण विश्व में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है, क्योंकि यह राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जन्मभूमि है। जिले के सिमरिया गाँव में जन्मे दिनकर जी की कविताओं ने (जैसे 'कुरुक्षेत्र', 'रश्मिरथी' और 'उर्वशी') भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और उत्तर-स्वतंत्रता काल में सोई हुई राष्ट्रीय चेतना को जगाने का काम किया। उनकी पंक्तियाँ—"सद्वंश कौन? जो वीर, विनय-अनुगामी है, समर-शूर, तप-निष्ठ, सत्य का स्वामी है" और "सिंहासन खाली करो कि जनता आती है"—आज भी भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के आंदोलनों की सबसे बुलंद आवाज़ हैं। दिनकर जी की यह साहित्यिक ऊर्जा केवल शब्दों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह बेगूसराय के जनमानस के जुझारू और मुखर चरित्र का आईना है, जिसने यहाँ के प्रत्येक नागरिक को व्यवस्था के सामने तार्किक रूप से खड़े होने का साहस दिया।

स्वतंत्रता संग्राम और राजनैतिक इतिहास के पन्नों में बेगूसराय की क्रांतिकारी चेतना अद्वितीय रही है। सन 1930 के नमक सत्याग्रह के दौरान महात्मा गांधी के आह्वान पर गढ़पुरा में बाबू श्रीकृष्ण सिंह (बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री) के नेतृत्व में नमक कानून तोड़ा गया था, जहाँ ब्रिटिश पुलिस की बर्बरता और खौलते हुए गर्म पानी की परवाह न करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी गिरफ्तारियाँ दी थीं। सन 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान यहाँ के क्रांतिकारियों ने बरौनी रेलवे जंक्शन और संचार माध्यमों को पूरी तरह ठप कर ब्रिटिश हुकूमत को पंगु बना दिया था। इस मिट्टी ने स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर सिंह जैसे नेताओं को जन्म दिया, जिन्होंने आगे चलकर इस जिले को शोषितों और वंचितों के अधिकारों की लड़ाई का मुख्य केंद्र बनाया।

आधुनिक राजनैतिक इतिहास में बेगूसराय को 'बिहार का लेनिनग्राद' या 'वामपंथ का गढ़' कहा जाता है। उत्तर-स्वतंत्रता काल में किसान आंदोलनों, बटाईदारी व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष और औद्योगिक मजदूरों के अधिकारों को लेकर यहाँ जो वैचारिक चेतना उभरी, उसने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमाई। चंद्रशेखर सिंह और कामरेड योगेंद्र शर्मा जैसे कद्दावर कम्युनिस्ट नेताओं ने सुदूर ग्रामीण इलाकों में हलवाहों और मल्लाहों को लामबंद कर सामाजिक-आर्थिक असमानता के खिलाफ एक मज़बूत मोर्चा तैयार किया था। इस जिले ने हमेशा वर्ग-चेतना और सामाजिक न्याय को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा, जिससे यहाँ एक अत्यंत प्रखर, जागरूक और लोकतांत्रिक विमर्श को बल मिला।

अंततः, बेगूसराय का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ की मिट्टी में स्वाभिमान, काव्य-ऊर्जा और व्यवस्था परिवर्तन की जिजीविषा कूट-कूट कर भरी है। जयमंगलागढ़ के प्राचीन अवशेष हों, सिमरिया के कछार पर गूँजता दिनकर का काव्य-नाद हो या गढ़पुरा के नमक सत्याग्रह का इतिहास—ये सभी तत्व मिलकर बेगूसराय को केवल एक भौगोलिक जिला नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिकता और वैचारिक संघर्ष का एक अमर महाकाव्य बनाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए इन स्थानीय क्रांतियों, पालकालीन साक्ष्यों और समाजवादी आंदोलनों का यह सघन व प्रामाणिक अध्ययन बिहार की राजनैतिक नियति और वैचारिक संरचना को समझने की एक अचूक और तार्किक दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

🙏 भावभीनी विदाई एवं कृतज्ञता ज्ञापित 🙏

"विदाई तो केवल एक दस्तूर है, आपके कार्यों की महक इस चम्पारण की माटी में सदा जीवित रहेगी!" यह समय पश्चिमी चम्पारण, बेतिया के संपूर्ण शिक्षा जगत के लिए अत्यंत भावुक और ह्रदय को भारी कर देने वाला है। हमारे मार्गदर्शक, अत्यंत लोकप्रिय और चम्पारण के कोने-कोने में शिक्षा की अलख जगाने वाले आदरणीय जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री रवींद्र कुमार सर को हम सभी आज नम नयनों से विदाई दे रहे हैं।

"सौम्यता जिनकी पहचान रही, सहजता जिनका व्यवहार था,
हर शिक्षक के दिल में बसने वाला, वो चम्पारण का गौरव आधार था।"

अमिट छाप और बेमिसाल कार्यशैली:

श्री रवींद्र कुमार सर का कार्यकाल चम्पारण के इतिहास में एक 'स्वर्णिम अध्याय' के रूप में याद किया जाएगा। शिक्षा जगत में ऐसे प्रशासनिक अधिकारी बिरले ही देखने को मिलते हैं जिन्होंने पद की गरिमा के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखा।

सुलभता और सहजता: आपकी सबसे बड़ी खूबी आपकी सुलभता रही। ज़िले का साधारण से साधारण शिक्षक या कर्मचारी भी बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी समस्याओं को लेकर आपके समक्ष उपस्थित हो सकता था। आपने कभी किसी को निराश नहीं किया।

शिक्षकों के दिलों में वास: अपनी सौम्यता और बेहतरीन कार्यशैली से आपने केवल दफ्तर नहीं चलाया, बल्कि चम्पारण के हज़ारों शिक्षक-शिक्षिकाओं के दिलों में एक पारिवारिक सदस्य की तरह अपनी जगह बनाई है।

सकारात्मक नेतृत्व: मुश्किल से मुश्किल विभागीय चुनौतियों को भी मुस्कुराते हुए और शांत रहकर सुलझाना आपकी विशिष्ट कला रही है, जिसने पूरे जिले के शैक्षणिक वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

💔

आदरणीय सर, प्रशासनिक नियमों के तहत आपका स्थानांतरण भले ही हमें आपसे शारीरिक रूप से दूर कर रहा है, परंतु आपके द्वारा किए गए सुधार, आपकी सादगी और आपका स्नेह हमेशा चम्पारण की पाठशालाओं में मार्गदर्शक बनकर जीवित रहेगा। आपके विदाई के इस क्षण पर शब्द कम पड़ रहे हैं और हर आँख नम है।

🤲 मंगलकामनाएं एवं सादर आभार

चम्पारण का समस्त शिक्षा परिवार आपके प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार प्रकट करता है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपका आगामी जीवन और नई ज़िम्मेदारी का कार्यकाल सफलता, उत्तम स्वास्थ्य और असीम आनंद से परिपूर्ण हो। आप जहाँ भी जाएँ, अपनी कार्यकुशलता से सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करें।

चम्पारण की ऐतिहासिक धरा से आपको सादर प्रणाम, नमन और भावभीनी विदाई!

शैलेन्द्र...!🙏🙏🙏

हार्दिक अभिनंदन एवं आत्मीय स्वागत

"<u>अनुभव के संचित आलोक और कुशल नेतृत्व का ऐतिहासिक पुनरागमन!</u>"

अत्यंत हर्ष, गौरव और उल्लास का विषय है कि पश्चिमी चम्पारण, बेतिया की पावन ऐतिहासिक धरा पर शिक्षा जगत को एक नया संबल, एक नई ऊर्जा और एक दूरदर्शी विज़न देने के लिए आदरणीय श्री राजन कुमार जी का जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) के रूप में पुनरागमन हो रहा है। कार्यकुशलता जिनकी विशिष्ट पहचान है और शिक्षा का सर्वांगीण संवर्धन जिनका परम ध्येय है, ऐसे कर्मठ, न्यायप्रिय एवं संवेदनशील शिक्षा सारथी का बेतिया की इस महान भूमि पर चम्पारण शिक्षा परिवार कोटि-कोटि अभिनंदन करता है।

श्री राजन कुमार जी हमारे ज़िले के लिए कोई नया नाम नहीं हैं। पूर्व में भी इस ज़िले में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (DPO) के रूप में स्थापना, समग्र शिक्षा अभियान, पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन योजना), माध्यमिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग में दी गई आपकी शानदार, पारदर्शी और ऐतिहासिक सेवाएँ आज भी हर शिक्षक, शिक्षिका और छात्र के मानस पटल पर अमिट रूप से अंकित हैं। शिक्षा के लोकतंत्रीकरण, प्रशासनिक सुगमता और धरातल पर कल्याणकारी सरकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ उतारने की आपकी अनूठी कला और अनुकरणीय योगदान हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है।

चम्पारण से विदा होने के उपरांत भी आपकी कर्मठता और विजय-यात्रा अनवरत जारी रही। कैमूर और गोपालगंज जैसे महत्वपूर्ण जिलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) के रूप में आपका कार्यकाल अत्यंत गौरवशाली और उपलब्धियों से भरा रहा। कैमूर में जहाँ आपने अपने प्रशासनिक कौशल से शैक्षणिक अनुशासन की नई इबारत लिखी, वहीं गोपालगंज में बुनियादी शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों के आधुनिकरण और शिक्षक-हितों की त्वरित रक्षा के लिए आपके द्वारा किए गए अभिनव प्रयोगों की गूंज आज भी पूरे राज्य के शिक्षा जगत में सुनाई देती है। इन दोनों जिलों को विकास के शीर्ष पायदान पर पहुँचाने का आपका समृद्ध अनुभव अब हमारे चम्पारण को मिलने जा रहा है।

आपका पुनः इस ज़िले में शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व के रूप में आना इस बात का अकाट्य साक्ष्य है कि पश्चिमी चम्पारण में शिक्षा व्यवस्था अब प्रगति के एक नए और स्वर्णिम युग में प्रवेश करने जा रही है। हमें आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि आपके इस नए और ऊर्जावान कार्यकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के क्रियान्वयन, निपुण भारत मिशन और बुनियादी साक्षरता के लक्ष्यों को एक तीव्र और नई गति प्राप्त होगी। आपके कुशल मार्गदर्शन में विद्यालयों का परिवेश और अधिक सुदृढ़, अनुशासित, पारदर्शी तथा छात्र-केंद्रित बनेगा, जिससे हमारे नौनिहालों का भविष्य सुरक्षित होगा।

इस नव-आगमन पर संपूर्ण शिक्षक समाज, शिक्षिकाएं, शिक्षाविद् और समस्त चम्पारण वासी आपके कुशल समन्वय, संवेगात्मक नेतृत्व और बेदाग प्रशासनिक छवि पर गर्व महसूस करते हुए अपनी असीम शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि आपके दिशा-निर्देशन में बेतिया शिक्षा के क्षेत्र में बिहार राज्य में ही नहीं, अपितु देश के मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट और गौरवशाली पहचान स्थापित करेगा। चम्पारण की इस ऐतिहासिक, पावन एवं क्रांतिकारी धरा पर आपका पुनः हृदय की असीम गहराइयों से सादर अभिनंदन, वंदन और स्वागत है!

विनीत:
समस्त शिक्षक वृन्द एवं शिक्षा परिवार
पश्चिमी चम्पारण, बेतिया (बिहार)

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org